वशि्व प्रेस स्वतंत्रता दविस 2024

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

3 मई 2024 को **वशि्व प्रेस स्वतंत्रता दविस सम्मेलन** के अवसर पर, संयुक्त राष्ट्र शैक्षकि, वैज्ञानकि और सांस्कृतकि संगठन (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization - UNESCO) ने एक नई रपिोर्ट जारी की जसिमें दुनयिा भर में**पर्यावरण पत्रकारों के वरिुद्ध हसिा में वृद्धका संकेत** दयिा गया है।

- इसने दुनयिा भर में पर्यावरण पत्रकारों के वरिुद्ध बढ़ती हसिा पर प्रकाश डाला, जसिमें **15 वर्षों में 44 पत्रकारों की हत्या हुई**।
- यह **एशयिा और प्रशांत क्षेत्र में हत्याओं की सबसे अधकि संख्या** को दर्शाता है।

वशि्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक क्या है?

- **परचिय:**
  - यह वैश्वकि मीडयिा नगिरानी संस्था **रपिोर्टर्स वदिाउट बॉर्डर्स (RSF)** द्वारा जारी **एक वार्षकि रपिोर्ट** है।
- **वर्ष 2024 में भारत का स्कोर:**
  - भारत की स्थतिमिें मामूली सुधार हुआ है और यह **वर्ष 2023 में 161वें से बढ़कर वर्ष 2024 में 180 देशों में 159वें स्थान पर** पहुँच गई है।
  - रैंकगि में बदलाव के बावजूद, भारत के **स्कोर में गरिावट** देखी गई, **जो 36.62 से गरिकर 31.28 रह गया** और साथ ही सुरक्षा संकेतक को छोड़कर सभी श्रेणयिों में स्कोर कम हो गया।
  - RSF के अनुसार, वशि्व के **सबसे बड़े लोकतंत्र में 'प्रेस की स्वतंत्रता' खतरे में** है।
    - जनवरी 2024 से अब तक भारत में 9 पत्रकारों और 1 मीडयिाकर्मी को हरिासत में लयिा जा चुका है।
  - दूरसंचार अधनियिम 2023, प्रसारण सेवा वनियिमन वधियेक, 2023 एवं डजिटिल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधनियिम 2023 जैसे कई कानून बड़े पैमाने पर मीडयिा तथा सेंसर समाचारों को वनियिमति करते हैं।
  - इस रपिोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कआिर्थकि तथा राजनीतकि दबाव मीडयिा की स्वतंत्रता को सीमति करते हैं।
- **वैश्वकि स्कोर:**
  - वर्ष 2024 की रपिोर्ट में **नॉर्वे, डेनमार्क तथा स्वीडन क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर** बने हुए हैं। **इरीट्रयिा** सूची में सबसे नीचे था और सीरयिा उसके ठीक आगे था।

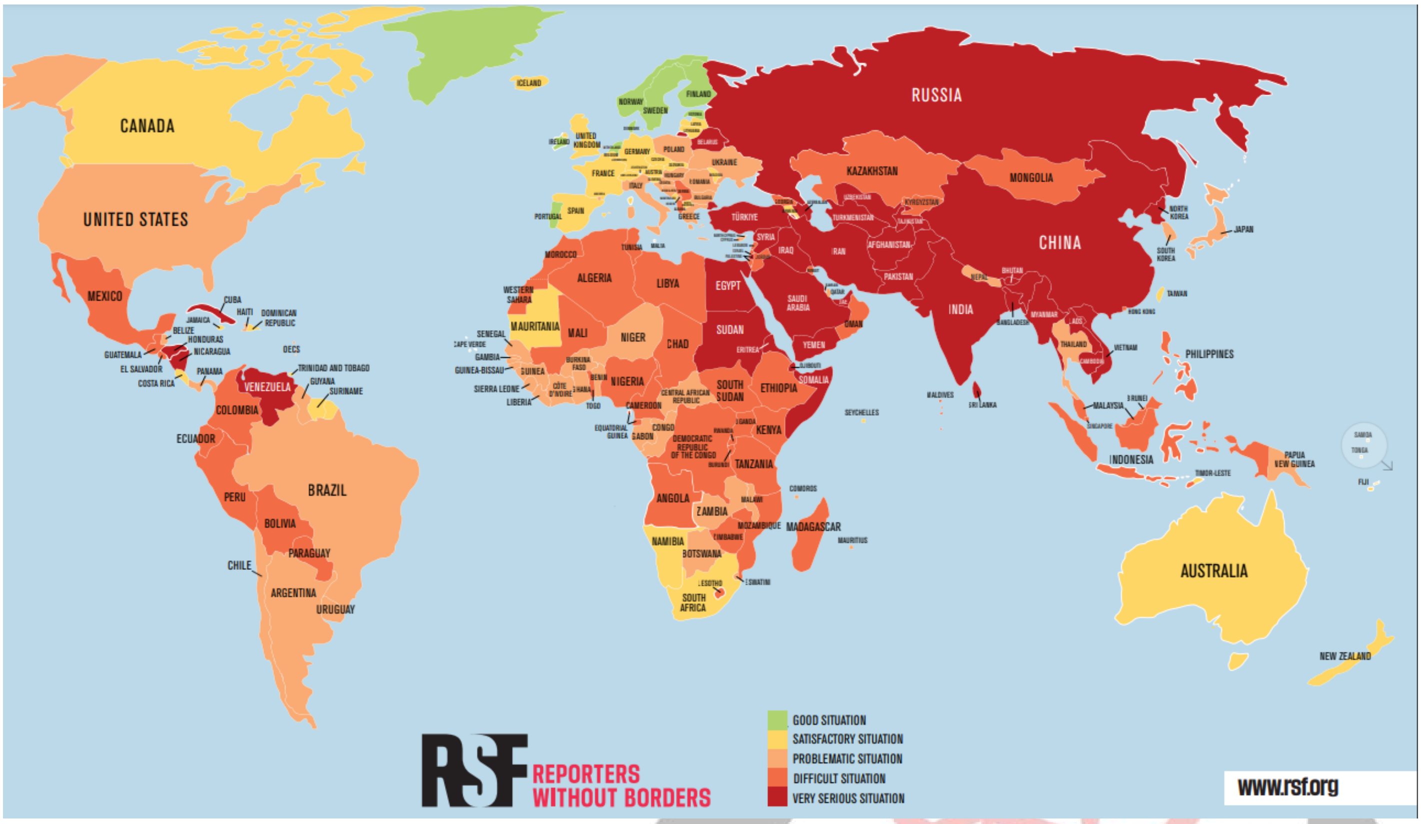

//

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (WPFI):

- विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (World Press Freedom Index - WPFI), वर्ष 2002 से फ्राँस स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन RSF द्वारा संकलित एवं प्रकाशित देशों की **एक वार्षिक रैंकिंग** है।
- यह विशेष रूप से **प्रेस की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित** करता है और जिन देशों का यह आकलन करता है उनके भीतर**पत्रकारिता की गुणवत्ता या व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन का मूल्यांकन नहीं** करता है।
- प्रेस स्वतंत्रता प्रश्नावली में पाँच प्रमुख श्रेणियाँ शामिल हैं:**राजनीतिक संदर्भ, कानूनी ढाँचा, आर्थिक संदर्भ, सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ एवं सुरक्षा।**

और पढ़ें... भारत में प्रेस की स्वतंत्रता

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निजता के अधिकार को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्भूत भाग के रूप में रक्षित किया जाता है। भारत के संविधान में निम्नलिखित में से किससे उपर्युक्त कथन सही एवं समुचित ढंग से अर्थित होता है? **(2018)**

(a) अनुच्छेद 14 एवं संविधान के 42वें संशोधन के अधीन उपबंध
(b) अनुच्छेद 17 एवं भाग IV में दिए राज्य की नीति के निदेशक तत्त्व
(c) अनुच्छेद 21 एवं भाग III में गारंटी की गई स्वतंत्रताएँ
(d) अनुच्छेद 24 एवं संविधान के 44वें संशोधन के अधीन उपबंध

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. आप 'वाक् और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य' संकल्पना से क्या समझते हैं? क्या इसकी परिधि में घृणा वाक् भी आता है? भारत में फिल्में अभिव्यक्ति के अन्य रूपों से तनिक भिन्न स्तर पर क्यों हैं? चर्चा कीजिये। **(2014)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-press-freedom-day-2024